ओ सोने वाले जाग जा

किस धुन में बैठा बावरे और तू किस मद में मस्ताना है,
ओ सोने वाले जाग जा संसार मुसाफिर खाना है,
ओ सोने वाले जाग.....

क्या लेकर आया था जग में फिर क्या लेकर जायेगा,
मुठ्ठी बांधे आया जग में फिर हाँथ पसारे जाना है,
ओ सोने वाले.....

कोई आज गया कोई कल गया कोई चँद रोज में जायेगा,
जिस घर से निकल गया पंछी उस घर में फिर नही आना है,
ओ सोने वाले जाग.....

सुत मात पिता बांधव नारी धन धाम यहीं रह जायेगा,
यह चंद रोज की यारी है फिर अपना कौन बेगाना है,
ओ सोने वाले जाग जा.....

कह भिक्षु यती हरि नाम जपो फिर ऐसा समय न आयेगा,
पाकर कंचन सी काया को फिर हांथ मीज पछताना है,
ओ सोने वाले जाग.....

। माधव शरण ।।

Source:
https://www.bharattemples.com/o-sone-vale-jaag-jaa-sansar-mushaphir-khana-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw